"प्राथमिक स्तर पर छात्र–छात्राओं की हिन्दी में वर्तनी संबंधी त्रुटियों का अध्ययन"

D-138

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल

की

एम.एड. परीक्षा

की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

2000 – 01

Regional Institute of Education
LIBRARY

निर्देशक
डॉ.आई.बी.चुगताई
वरिष्ठ व्याख्यता

शोधकर्ता
कुमारी छाया सक्सेना
एम.एड. छात्रा

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी), भोपाल म.प्र.

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कुमारी छाया सक्सेना ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल से "प्राथमिक स्तर पर छात्र – छात्राओं की हिन्दी में वर्तनी संबंधी त्रुटियों का अध्ययन।" नामक लघुशोध प्रबंधं मेरे निर्देशन में विधिवत् पूर्ण किया है। यह शोध कार्य इनकी एवं निष्ठा से किया गया मौलिक प्रयास है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की सन् 2000–01 की शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि "एम.एड" परीक्षा की आशिक सत्र् पूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।

आई॰ बी॰ चुगताई

भोपाल

दिनांक 10.4.2001

(डॉ.आई.बी.चुगताई)
वरिष्ठ व्याख्याता, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा, संस्थान,
भोपाल, (म.प्र.)

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध के समस्त सोपानों को पूर्ण करने का श्रेय मेरे इस कार्य के निर्देशक डां चुगताई, वरिष्ठ व्याख्याता, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान को है, जिन्होने निरंतर मुझे परामर्श निर्देशन तथा प्रोत्साहन देकर अपना अमूल्य समय और सहयोग दिया। प्रस्तुत लघुशोध आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। आपके द्वारा आत्मीयता एवं पूर्ण सहयोग जो मुझे प्राप्त हुआ वह मुझे सदैव याद रहेगा।

मैं आदरणीय प्राचार्य प्रो.एस.ए.शफी, पूर्व प्राचार्य प्रो. जी.के लहरी, प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ.जी.एन.पी. श्रीवास्तव पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो.एम.सेन गुप्ता एवं शिक्षा विभाग के समस्त गुरूजनों की हदय से आभारी हूँ , जिन्होने मुझे लघुशोध प्रंबंध पूर्ण करने में धेर्य का साहस प्रदान किया और जिनके द्वारा मैंने यह ज्ञान अर्जित किया है।

मैं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गंजबासौदा की प्रभारी प्राचार्य सुरेश मेहता के सहृदय सहयोग के लिए अपनी कतृज्ञता व्यक्त करती हूँ, एवं उन समस्त छात्र छात्राओं को जिनकी शुभकामनाएं एवं पूर्ण सहयोग ने इस लघु प्रयास को सार्थक स्वरूप दिया।

Regional Institute of Educa
(LIBRARY)

मैं संस्थान के पुस्तकालय अध्यक्षा तथा उनके समस्त स्टाफ तथा प्रदत्त संकलन हेतु चयनित संस्थाओं के प्राचार्य और शिक्षक शिक्षिकाओं को जिन्होने इस शोध कार्य को पूर्ण करने मे सहयोग प्रदान किया को धन्यवाद देती हूँ। शोध के इस लघु स्वरूप को पूरा करने मे समस्त एम.एड़ के मेरे सहपाठियों का निःस्वार्थ सहयोग मैं आजीवन भुला नहीं सकूगी।

मैं पिताजी श्री जी.पी.सक्सेना एवं परिवार के समस्त सदस्यगणों की हदय से आभारी हूँ, जिन्होने मेरे लघुशोध प्रबंधपूर्ण कराने मे सहयोग प्रदान किया।

कुमारी छाया सक्सेना
एम.एड (प्रारंभिक शिक्षा) छात्रा
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल म.प्र.

अनुक्रमाणिका

क्रमांक	विषय वस्तु	
1.	**अध्याय – 1 प्रस्तावना**	1-23
	1.1 अध्ययन की आवश्यकता	
	1.2 मातृभाषा के रूप में हिन्दी का महत्व	
	1.3 हिन्दी वर्तनी की प्रकृति	
	1.4 वर्तनी संबंधी सजगता	
	1.5 प्राथमिक स्तर पर शुद्ध भाषा लेखन	
	1.6 प्रारंभिक स्तर पर हिन्दी शिक्षण	
	1.7 हिन्दी के प्रति जागरूकता	
	1.8 सावधानी से सिखाएं हिन्दी	
2.	**अध्याय – 2 संबंधित साहित्य**	24-26
	2.1 भारत मे हुए लेखन पर शोधकार्य	
	2.2 एम.एड. स्तर पर हुए शोधकार्य	
3.	**अध्याय – 3 प्रयोग भिकल्पना**	27-34
	3.1 अध्ययन के उद्देश्य	
	3.2 चर	
	3.3 उपकरण	
	3.4 परिकल्पना	
	3.5 न्यायदर्श का चयन	
	3.6 परिसीमन	
	3.7 प्रयोग विधि	
	3.8 त्रुटियों का परिक्षण	
	3.9 सांख्यिकीय विधि	
4.	**अध्याय – 4 परिणाम कथन**	35-43
	4.1 विवेचना एवं व्याख्या	
5.	**अध्याय – 5 सारांश, निष्कर्ष, सुझाव**	44-49
	5.1 शैक्षिक उपयोग	
	परिशिष्ट – लेखन बोध प्रश्नावली	
	सन्दर्भ ग्रन्थ सूची	